खबर संक्षेप

गांजा की तस्करी का मास्टर माइंड 3 साल बाद गिरफ्तार

ब्यौहारी। नशे के सौदागरों के खिलाफ ब्यौहारी पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए तीन साल से आंखों में धूल झोंक रहे शातिर तस्कर इमरान पिता मुबारक खान को सलाखों के पीछे पहुंचा दिया है। वर्ष 2023 में फोर्ड इकोस्पोर्ट कार से 87 किलो गांजे की खेप पकड़े जाने के बाद से ही आरोपी फरार चल रहा था, जिसकी तलाश में पुलिस की कई टीमें जुटी हुई थीं। थाना प्रभारी जियाउल हक के नेतृत्व में पुलिस ने जब कडियां जोड़ीं, तो मामला छत्तीसगढ़ के जांजगीर-चांपा तक पहुंचा। तफ्तीश में पता चला कि वाहन मालिक ने गाड़ी बेच दी थी। बिलासपुर के एक ऑटो डील के जरिए पुलिस आरोपी इमरान तक पहुंची और घेराबंदी कर उसे धर दबोचा। 24 फरवरी को आरोपी की गिरफ्तारी के साथ ही पुलिस ने साफ कर दिया है कि अपराधी चाहे पाताल में भी छिप जाए, कानून के लंबे हाथों से बच नहीं सकता। इस सराहनीय कार्रवाई में उपनिरीक्षक बालकरण प्रजापति और आरक्षक गंगा सागर गुप्ता सहित पूरी टीम की भूमिका रही।

लमरो का प्राकृतिक मॉडल देख गदगद हुए दिल्ली के अफसर

मटका खाद और जैविक तकनीक ने खींचा ध्यान

शहडोल। रसायन मुक्त खेती की दिशा में शहडोल का ग्राम लमरो अब देश के लिए नजीर बन रहा है। भारत सरकार के संयुक्त सचिव और प्रधानमंत्री पीएम धन-धान्य योजना के नोडल अधिकारी दीपक मिश्रा ने लमरो का दौरा कर यहां की प्राकृतिक खेती के क्लस्टर का सघन निरीक्षण किया। जनजातीय किसानों द्वारा पारंपरिक संसाधनों से आधुनिक खेती करने के जज्बे को देख उन्होंने इसे कृषि क्षेत्र की वास्तविक क्रांति बताया।

मटका खाद और जैविक कीटनाशक का कमाल

निरीक्षण के दौरान किसान भोल्ली सिंह ने साझा किया कि गांव के 107 किसान रासायनिक खादों को तिलांजलि दे चुके हैं। यहाँ गोबर, गौमूत्र और गुड़ से निर्मित मटका खाद तथा नीम-धतूरे की पत्तियों से तैयार जैविक कीटनाशक का उपयोग हो रहा है। श्री मिश्रा ने न केवल खाद बनाने की विधि देखी, बल्कि किसानों से कृषि लागत कम करने के व्यावहारिक नुस्खों पर सीधी चर्चा भी की।उद्यानिकी खेती में सफलता के झंडे गाडने वाले किसान मोहन पटेल ने अपनी गौरवगाथा सुनाते हुए बताया कि कभी दूसरों के खेतों में बटाई करने वाले अब पर ड्रॉप मोर क्रॉप सिद्धांत के जरिए 8 एकड़ में मल्चिंग और ड्रिप एरिगेशन से सालाना 7-8 लाख रुपये का शुद्ध मुनाफा कमा रहे हैं। वहीं कृषि सखियों की भूमिका ने महिला सशक्तिकरण के साथ-साथ तकनीकी ज्ञान को घर-घर पहुंचाने का काम किया है। उप संचालक कृषि अनुराग पटेल ने स्पष्ट किया कि लमरो को अब बायो रिसोर्स सेंटर के रूप में विकसित किया जा रहा है। दिल्ली से आए अफसरों की इस दस्तक ने स्थानीय किसानों के उत्साह को दोगुना कर दिया है। इस अवसर पर ग्रामीण किसान, कृषि सखियां, विभागीय अमला, संयुक्त संचालक शिक्षा उमेश धुर्वे, उप संचालक आर.के. मंगलानी, एपीसी अरविंद कुमार पाण्डेय एवं कृषि विभाग का मैदानी अमला उपस्थित रहा।

कलेक्टर से पिता की अपील
मेरा लाल चला गया... अब किसी और का सपना अधूरा न रहे

शहडोल। शासकीय ज्ञानोदय आवासीय विद्यालय में 12 वीं के छात्र सुमित चौधरी की मौत ने जिले की शिक्षा और छात्रावास व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। पिता रूपन चौधरी ने कलेक्टर से अपील की है कि उनके बेटे की तरह किसी और का भविष्य लापरवाही की भेंट न चढ़े। मामले में जांच समिति गठित कर अधीक्षक को निलंबित किया गया है। जिले के विचारपुर स्थित शासकीय ज्ञानोदय आवासीय विद्यालय विचारपुर एक बार फिर गंभीर आरोपों के घेरे में है। कक्षा 12वीं के छात्र सुमित चौधरी की 19 फरवरी को उपचार के दौरान मौत हो गई। सुमित अनूपपुर जिले के ग्राम पयारी का निवासी था और छात्रावास में रहकर पढ़ाई कर रहा था। उसकी असामयिक मृत्यु ने न केवल परिवार बल्कि पूरे क्षेत्र को झकझोर कर रख दिया है।

परिवार की पृष्ठभूमि और टूटते सपने

मृतक छात्र के पिता रूपन चौधरी और माता सीता चौधरी गुजरात में मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करते हैं। स्थानीय स्तर पर रोजगार के अभाव में वे बच्चों का भविष्य संवारने के लिए बाहर काम कर रहे थे। घर पर दादा मैंकू चौधरी बच्चों की देखभाल कर रहे थे। सीमित संसाधनों के बावजूद सुमित पढ़ाई में अत्यंत होनहार था। उसने हाल ही में जेईई परीक्षा दी थी और परिणाम में सफल भी हुआ था, लेकिन यह खुशी देखने से पहले ही उसकी जिंदगी खत्म हो गई। सुमित की मौत के बाद से परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है। पिता रूपन चौधरी बार-बार यही कहते हैं कि उनका बेटा बड़ा अधिकारी बनना चाहता था और परिवार का नाम रोशन करना चाहता था। मां सीता चौधरी अपने बेटे की फोटो सीने से लगाए विलाप कर रही हैं, जबकि दादा मैंकू चौधरी गहरे सदमे में हैं।

बीमारी और लापरवाही के आरोप

परिजनों के अनुसार सुमित कई दिनों से बीमार था। आरोप है कि छात्रावास प्रबंधन ने न तो समय पर उचित इलाज कराया और न ही परिवार को स्थिति की जानकारी दी। जब हालत अत्यंत गंभीर हो गई, तब सूचना मिलने पर दादा मैंकू चौधरी छात्रावास पहुंचे और उसे अस्पताल लेकर गए। पहले स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया, लेकिन स्थिति में सुधार न होने पर अनूपपुर जिला चिकित्सालय रेफर किया गया। वहां से चिकित्सकों ने गंभीर हालत देखते हुए शहडोल भेज दिया। डॉक्टरों ने मलेरिया, टाइफाइड और पीलिया जैसी बीमारियों की पुष्टि की। समय पर समुचित उपचार न मिलने के कारण उसकी दोनों किडनी फेल हो गईं और 19 फरवरी को उसकी मृत्यु हो गई। परिवार का यह भी आरोप है कि छात्रावास में सुमित को इंजेक्शन और दवाएं दी गईं, लेकिन उनसे संबंधित कोई मेडिकल रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं कराया गया। इस संबंध में पारदर्शिता पर भी सवाल उठ रहे हैं।

जांच समिति गठित, अधीक्षक निलंबित

घटना के बाद जनजातीय कार्य विभाग के संभागीय उपायुक्त जेपी यादव ने तीन सदस्यीय जांच समिति गठित की। समिति में जेपी नापित सहायक संचालक, मनोज तिवारी प्राचार्य, उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पचगांव और राजेंद्र तिवारी क्षेत्र संयोजक को शामिल किया गया। प्राथमिक जांच में छात्रावास अधीक्षक नीलशरण सिंह को दोषी पाते हुए निलंबित कर दिया गया है। विभागीय स्तर पर कारण बताओ नोटिस जारी कर विस्तृत प्रतिवेदन मांगा गया है। हालांकि परिजनों का कहना है कि केवल निलंबन पर्याप्त नहीं है और पूरे प्रकरण की निष्पक्ष व समयबद्ध जांच होनी चाहिए।

शिक्षा व्यवस्था पर उठते सवाल

इस घटना ने आवासीय विद्यालयों की स्वास्थ्य व्यवस्था, निगरानी प्रणाली और प्रशासनिक जवाबदेही पर गंभीर प्रश्न खड़े कर दिए हैं। परिजनों का आरोप है कि एक ही अधिकारी को कई छात्रावासों और विद्यालयों का अतिरिक्त प्रभार दिया गया था, जिससे व्यवस्थाएं प्रभावित हुईं। गौरतलब है कि हाल के महीनों में संभाग के अन्य आवासीय विद्यालयों में भी अव्यवस्था और लापरवाही के मामले सामने आए हैं। इसके बावजूद स्थायी सुधार की दिशा में ठोस पहल दिखाई नहीं दी।

कलेक्टर से अपील

पिता रूपन चौधरी ने कलेक्टर से भावुक अपील करते हुए कहा कि उनके बेटे की मौत व्यर्थ न जाए और छात्रावासों की व्यवस्था को सख्ती से दुरुस्त किया जाए। उनका कहना है कि गरीब परिवार अपने बच्चों को बेहतर भविष्य की उम्मीद में छात्रावास भेजते हैं। यदि वहां भी सुरक्षा और स्वास्थ्य की गारंटी न हो, तो यह व्यवस्था पर गंभीर प्रश्नचिन्ह है। सुमित चौधरी की मौत केवल एक परिवार की त्रासदी नहीं, बल्कि पूरी व्यवस्था के लिए चेतावनी है। एक होनहार छात्र, जिसने सीमित साधनों में बड़े सपने देखे, आज उन सपनों के साथ इस दुनिया से चला गया। अब प्रशासन के सामने चुनौती है कि वह इस घटना को केवल औपचारिक कार्रवाई तक सीमित न रखे, बल्कि छात्रावासों में स्वास्थ्य जांच, पारदर्शिता और जवाबदेही की मजबूत प्रणाली स्थापित करे। ताकि भविष्य में किसी और रूपन चौधरी को यह न कहना पड़े, मेरा लाल चला गया...।

गौवंश की मौत पर गहराया रहस्य

एक महीना बीता, न रिपोर्ट आई न फुटेज

शहडोल। जिले के धनपुरी थाना क्षेत्र के अमलाई ओसीएम इलाके में 13 गायों की संदिग्ध मौत का मामला अब क्षेत्र की सियासत में उबाल ला रहा है। घटना के 25 दिन बीत जाने के बाद भी पुलिस और प्रशासन की रहस्यमयी चुप्पी ने कई गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। भारतीय जनता पार्टी के धनपुरी मंडल अध्यक्ष अजय शर्मा ने अब सीधे थाना प्रभारी को घेरे में लेते हुए लिखित चेतावनी दी है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट सहित सीसीटीवी फुटेज को सार्वजनिक करने की मांग तेज कर दी है।

क्या बॉयलर के जहरीले पानी ने ली जान

29 जनवरी की उस काली सुबह को अमलाई ओसीएम क्षेत्र में जब एक साथ 13 गायों के शव मिले, तो पूरा इलाका दहल उठा था। स्थानीय स्तर पर यह पुख्ता चर्चा है कि कॉलरी के ट्रकों द्वारा डाले गए बॉयलर के अत्यंत गर्म और रसायनों से युक्त पानी को पीने के कारण बेगुनाह गौवंश ने तड़प-तड़प कर दम तोड़ दिया। आरोप है कि कॉलरी प्रबंधन और ड्यूटी पर तैनात अधिकारियों की घोर लापरवाही ने इस त्रासदी को अंजाम दिया, लेकिन प्रशासन अभी भी जांच का झुनझुना थमा रहा है।

सीसीटीवी में कैद ट्रक का सच कब आएगा बाहर

भाजपा मंडल अध्यक्ष द्वारा सौंपे गए ज्ञापन में साफ तौर पर उल्लेख किया गया है कि घटना के समय पुलिस ने एक संदिग्ध ट्रक के सीसीटीवी फुटेज अपने कब्जे में लिए थे। सवाल यह उठता है कि यदि फुटेज पुलिस के पास है, तो अब तक उस ट्रक मालिक और चालक पर कार्रवाई क्यों नहीं हुई, क्या किसी रसूखदार को बचाने के लिए साक्ष्यों को दबाया जा रहा है। धनपुरी भाजपा मंडल अध्यक्ष अजय शर्मा ने कहा कि गौवंश की हत्या जैसा जघन्य अपराध हुआ और एक महीना बीतने को है, लेकिन पशु चिकित्सा विभाग की विस्तृत रिपोर्ट सार्वजनिक नहीं की गई। यह देरी दाल में कुछ काला होने का संकेत दे रही है।

चुप नहीं बैठेगा हिंदू समाज

क्षेत्रीय सामाजिक संगठनों और गौरक्षकों में भी इस घटना को लेकर भारी आक्रोश है। स्थानीय लोगों का कहना है कि प्रशासन की ढिलाई दोषियों को हौसला दे रही है। यदि जल्द ही पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर कॉलरी प्रबंधन या संबंधित दोषियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज नहीं की गई, तो यह मामला बड़े जनांदोलन का रूप ले सकता है। संवेदनशील मानी जाने वाली इस घटना पर अब तक आधिकारिक पुष्टि न होना प्रशासनिक तंत्र की कार्यप्रणाली पर कालिख पोतने जैसा है। क्या धनपुरी पुलिस पारदर्शिता बरतेगी या यह मामला भी फाइलों में दफन कर दिया जाएगा।

शहडोल मेडिकल कॉलेज या अघोषित जेल?

कमियां छिपाने के लिए डीन का तुगलकी फरमान, बोलने पर पाबंदी!

शहडोल। बिरसा मुंडा शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय इन दिनों अपनी स्वास्थ्य सेवाओं के लिए कम और अपने अजब-गजब कारनामों के लिए ज्यादा चर्चा में है। कॉलेज प्रबंधन ने अपनी विफलताओं और अव्यवस्थाओं पर पर्दा डालने के लिए अब लोकतंत्र के चौथे स्तंभ और अपने ही कर्मचारियों की आवाज दबाने का कुत्सित प्रयास शुरू कर दिया है। डीन कार्यालय से जारी आदेश क्रमांक 20560/स्था./ राज./एम.सी./ 2026 ने यह साफ कर दिया है कि प्रबंधन संस्थान को एक पारदर्शी सरकारी अस्पताल के बजाय किले में तब्दील करना चाहता है।

सच बोलने पर मिलेगी सजा

24 फरवरी को जारी इस तानाशाही आदेश में डीन ने समस्त चिकित्सकों, नर्सिंग और पैरामेडिकल स्टाफ को सख्त हिदायत दी है कि बिना नोडल अधिकारी की अनुमति के मीडिया को कोई जानकारी न दी जाए। आदेश का उल्लंघन करने पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की धमकी दी गई है। सवाल यह उठता है कि क्या मेडिकल कॉलेज प्रबंधन को अपनी ही कमियों से इतना डर लग रहा है कि उन्होंने सूचना की स्वतंत्रता का गला घोंटने की ठान ली है।

मरीजों की जान से खिलवाड़

प्रबंधन यह पाबंदी इसलिए लगा रहा है क्योंकि कॉलेज के भीतर का सच भयावह है। अस्पताल परिसर के मुख्य द्वार पर स्थित नलों के पास पसरी गंदगी और वार्डों की बदहाली किसी से छिपी नहीं है। सूत्रों की मानें तो यहाँ तैनात कई रसूखदार चिकित्सक अस्पताल में ड्यूटी बजाने के बजाय अपनी निजी क्लीनिक चमकाने में मशगूल रहते हैं। नतीजा यह कि आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र के

गरीब मरीज इलाज के लिए दर-दर भटकते हैं। जब इन अव्यवस्थाओं की फोटो या वीडियो बनाने की कोशिश की जाती है, तो गुर्गों (सुरक्षाकर्मियों) के माध्यम से मीडियाकर्मियों को ऐसे घेरा जाता है मानो वहां कोई अवैध गतिविधि संचालित हो रही हो।

छात्रों की मनमानी पर मौन, सच पर पहरा

हैरानी की बात यह है कि मेडिकल कॉलेज इन दिनों यहां अध्ययनरत कुछ विद्यार्थियों की संदिग्ध कार्यशैली और अनुशासनहीनता को लेकर भी सुर्खियों में है। उन पर ठोस कार्रवाई करने के बजाय, प्रबंधन ने अपनी ऊर्जा मुंह बंद रखने का आदेश निकालने में लगा दी है। क्या डीन महोदय यह भूल गए हैं कि यह कॉलेज जनता के टैक्स से चलता है, यह उनकी निजी जागीर नहीं है जहाँ वह अपना व्यक्तिगत संविधान लागू कर सकें।

जनप्रतिनिधियों की रहस्यमयी चुप्पी

इस पूरे प्रकरण में जिले के जिम्मेदार अधिकारियों और स्थानीय जनप्रतिनिधियों का मौन सबसे ज्यादा खटक रहा है। आदिवासी क्षेत्र की जीवनरेखा कहे जाने वाले इस संस्थान में जब तक पारदर्शिता नहीं होगी, तब तक सुधार की गुंजाइश शून्य है। आखिर क्यों नेताजी इस तुगलकी फरमान पर चुप हैं, क्या वे भी इस भ्रष्टाचार और अव्यवस्था में मूक दर्शक बने रहना चाहते हैं।

जवाबदेही से भागता प्रशासन

मेडिकल कॉलेज को अभेद्य किला बनाकर वहां की गंदगी, डॉक्टरों की अनुपलब्धता और संसाधनों की लूट को छिपाने की कोशिश ज्यादा दिन नहीं चलेगी। यदि उद्देश्य केवल सटीक जानकारी देना है, तो आज तक स्थायी जनसंपर्क अधिकारी की नियुक्ति क्यों नहीं हुई, यह आदेश पारदर्शिता के लिए नहीं, बल्कि अपनी कमियों को दफन करने के लिए निकाला गया है। अब देखना यह है कि क्या शासन इस काले आदेश को वापस लेता है या शहडोल मेडिकल कॉलेज में तानाशाही का यह दौर यूं ही जारी रहेगा।

सोहागपुर कोयलांचल में आर-पार की जंग

9 मार्च से थमेगा कोयले का पहिया, प्रबंधन को अल्टीमेटम

शहडोल। एसईसीएल सोहागपुर क्षेत्र के प्रबंधन की हठधर्मिता और श्रमिक विरोधी नीतियों के खिलाफ मजदूर संगठनों ने अब रणभेरी फूंक दी है। लंबे समय से लंबित मांगों पर प्रबंधन की रहस्यमयी चुप्पी से आक्रोशित संयुक्त मोर्चा ने दो टूक चेतावनी दी है, या तो 8 मार्च तक मांगों का समाधान करें, वरना 9 मार्च से सोहागपुर की धरा पर कोयले का उत्पादन और प्रेषण पूरी तरह ठप कर दिया जाएगा।

प्रबंधन की उड़ी नींद

इतिहास में कम ही ऐसे मौके आते हैं जब बीएमएस, एटक, इंटक, एचएमएस और सीटू जैसे पांचों बड़े केंद्रीय श्रमिक संगठन एक जाजम पर आ जाएं। संयुक्त मोर्चा ने औद्योगिक विवाद अधिनियम 1947 की धारा 22 (1) के तहत महाप्रबंधक को नोटिस थमाते हुए स्पष्ट कर दिया है कि अब वार्ता का समय बीत चुका है, अब केवल परिणाम चाहिए।

थम जाएगी खदानों की धड़कन

9 मार्च से होने वाले इस आंदोलन का स्वरूप बेहद उग्र होने वाला है। श्रमिक नेताओं ने साफ कर दिया है कि वे केवल गेट पर नारेबाजी तक सीमित नहीं रहेंगे। आंदोलन के तहत खदानों में काम पूरी तरह बंद रहेगा। कोयला ले जाने वाले ट्रकों और रैक के पहिए जाम कर दिए जाएंगे। उत्पादन से लेकर सप्लाई चेन तक को पूरी तरह बाधित किया जाएगा।

जिम्मेदार कौन? प्रबंधन का अहंकार

मजदूर संगठनों का आरोप है कि खून-पसीना एक करने वाले श्रमिकों की जायज मांगों को प्रबंधन ठंडे बस्ते में डालकर बैठा है। चेतावनी पत्र में कड़े शब्दों में लिखा गया है कि यदि इस टकराव के कारण उत्पादन प्रभावित होता है या राष्ट्रीय संपत्ति का नुकसान होता है, तो इसकी शत-प्रतिशत जिम्मेदारी केवल और केवल प्रबंधन की होगी। क्षेत्र के कोयला खदानों में अब सन्नाटे से पहले का शोर सुनाई देने लगा है। यदि 8 मार्च तक प्रबंधन ने अपना अहंकारी रवैया नहीं त्यागा, तो 9 मार्च से सोहागपुर क्षेत्र में औद्योगिक आपातकाल जैसे हालात तय हैं।

नगर पालिका की संपत्ति पार करने वाला चोर धराया

धनपुरी। सरकारी संपत्ति पर हाथ साफ करने वाले चोरों के खिलाफ धनपुरी पुलिस ने कड़ा प्रहार किया है। नगर पालिका धनपुरी के पार्किंग स्थल से ट्रैक्टरों के टर्मिनल वायर और स्काई लिफ्टर के कॉपर वायर चोरी करने वाले आरोपी राजेन्द्र सोनकर उम्र 26 वर्ष को पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर घेराबंदी कर गिरफ्तार कर लिया है।

बीती 19-20 फरवरी की दरम्यानी रात शातिर चोर ने नगर पालिका के सामने बने पार्किंग स्थल को निशाना बनाया था। चोर ने यहां खड़े 5 ट्रैक्टरों के वायर, विद्युत वाहन (स्काई लिफ्टर) का 50 मीटर कॉपर वायर और दो कीमती एलईडी लाइटें पार कर दी थीं। सहायक राजस्व निरीक्षक अमित सिंह बघेल की शिकायत पर पुलिस ने बीएनएस की धारा 303(2) के तहत मामला दर्ज किया था।थाना प्रभारी खेमसिंह पेन्द्रो के नेतृत्व में टीम ने फुर्ती दिखाते हुए आरोपी को वार्ड नंबर 7, बुढ़ार से दबोचा। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी किया गया पूरा माल और वारदात में इस्तेमाल की गई हैक-ब्लेड भी बरामद कर ली है। आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया है। पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई से क्षेत्र के कबाड़ चोरों और असामाजिक तत्वों में हडकंप व्याप्त है।

जनसुनवाई या कागजी कोरम?

साहब! अब आपकी चौखट पर भरोसा नहीं रहा

शहडोल। संभाग और जिले के मुखिया की कुर्सी पर बैठकर जनता की फरियाद सुनना एक संवैधानिक व्यवस्था है, लेकिन शहडोल में यह व्यवस्था अब महज एक साप्ताहिक इवेंट बनकर रह गई है। मंगलवार को कमिश्नर कार्यालय में श्रीमती सुरभि गुप्ता और कलेक्टर कार्यालय के सोन सभागार में डॉ. केदार सिंह ने जनसुनवाई तो की, लेकिन सवाल यह है कि इन सुनवाइयों से निकलता क्या है, फाइलों का बोझ एक टेबल से दूसरी टेबल पर सरक जाता है, लेकिन फरियादी की किस्मत वहीं की वहीं खड़ी रहती है।

कभी जनसुनवाई में उमडऩे वाली सैकड़ों की भीड़ अब सिमटती जा रही है। यह प्रशासन की सफलता नहीं, बल्कि विफलता का प्रमाण है। दूर-दराज के गांवों से किराया लगाकर आने वाले गरीब आदिवासियों को अब यह समझ आ गया है कि यहां सिर्फ आवेदन लिए जाते हैं, न्याय नहीं मिलता। नियमतः जनसुनवाई का अर्थ तत्काल समाधान होना चाहिए, लेकिन यहां तो अधिकारी बगल में बैठे होने के

बावजूद मामले को संबंधित विभाग को मार्क करके खानापूर्ति कर ली जाती है।

आश्चर्य की बात यह है कि हर सप्ताह कमिश्नर और कलेक्टर समय-सीमा में कार्यवाही के निर्देश तो देते हैं, लेकिन आज तक जिले या संभाग के किसी मुखिया ने यह सार्वजनिक रिपोर्ट पेश नहीं की कि पिछले एक महीने में आए 100 आवेदनों में से कितने लोगों को वास्तव में लाभ मिला। जिन अधिकारियों को निर्देश दिए गए थे, क्या उन्होंने काम किया या फाइल दबा दी। जब तक शिकायतों का फॉलोअप और उनकी प्रगति सार्वजनिक नहीं होगी, तब तक जनसुनवाई केवल फोटो सेशन और कागजी घोड़े दौड़ाने का माध्यम बनी रहेगी।

इस बार भी जनसुनवाई में वही घिसे-पिटे मामले आए जो बताते हैं कि जमीनी स्तर पर सिस्टम फेल है। कछौहा के रामभजन तालाब से अतिक्रमण हटाना चाहते हैं, देवरा की संचू बैगा विधवा सहायता के लिए भटक रही है, और विचारपुर के कालीचरण अपनी बेटी की स्कूल फीस माफी के लिए हाथ जोड़ रहे हैं। अगर स्थानीय स्तर पर तहसीलदार, जनपद सीईओ या स्कूल प्रबंधन अपना काम ईमानदारी से करते, तो इन गरीबों को जिला मुख्यालय तक भटकने की नौबत ही क्यों आती।

जागरूक नागरिकों का कहना है कि यदि जनसुनवाई को सार्थक बनाना है, तो मुखिया को अपनी मेज पर ही दोनों पक्षों को बुलाकर या मौजूद अधिकारियों से सीधे जवाब-तलब कर मौके पर निपटारा करना चाहिए। मार्क करने की परंपरा ने शिकायतों को फाइलों के कब्रिस्तान में दफन कर दिया है। क्या संभाग और जिले के आला अधिकारी अपनी कार्यशैली बदलेंगे या जनसुनवाई के नाम पर यह कोरम पूर्ति का खेल बदस्तूर जारी रहेगा।

खबर संक्षेप

जिला स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन आज

उमरिया। जिला स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन 25 फरवरी को अमर शहीद स्टेडियम में विधायक बांधवगढ शिवनारायण सिंह के मुख्य आतिथ्य में आयोजित किया गया है। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला पंचायत अध्यक्ष अनुजा पटेल करेंगी वही विशिष्ट अतिथि के रूप में ओम नारायण सिंह जिला पंचायत उपाध्यक्ष उपस्थित रहेंगे ।
पल प्रतिपल कार्यक्रम में जनपद पंचायतो से उपस्थित कबड्डी टीमों का पंजीयन प्रातः 10 बजे से किया जाएगा। टीमो के मध्य कबड्डी खेल प्रतियोगिता प्रातः 10.30 बजे से, विजेता , उप विजेताओ का चयन , अतिथि उदबोधन , पुरस्कार वितरण , आभार एवं कार्यक्रम का समापन दोपहर 3.30 बजे से आयोजित होगा।

बिजुरी पुलिस ने गुमशुदा नाबालिग को दस्तयाब कर किया परिजनों के सुपुर्द

बिजुरी। 20 जनवरी को फरियादिया के द्वारा थाना उपस्थित आकर रिपोर्ट लेख कराई कि मेरी लडकी कक्षा 10 वी तक पढी है पिछले साल पढाई छोडकर घर मे मेरे साथ रहती रही 19 जनवरी को सुबह 07.30 बजे गाय ढीलने कहकर घर से निकली गाय को ढीलकर घर वापस नही आई आस-पास नात रिश्तेदारी मे पता किये कोई पता नही चला। मेरी नाबालिक लडकी को कोई अज्ञात व्यक्ति बहला-फुसलाकर भगा ले गया है रिपोर्ट पर अपराध धारा 137 (2) बीएनएस. कायम कर विवेचना मे की गई। दौरान विवेचना अपृहता की पता तलाश हेतु पुलिस अधीक्षक द्वारा विशेष टीम का गठन कर दस्तयाबी हेतु सख्त निर्देश दिये गये जिसके अनुपालन में बिजुरी पुलिस के द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुये लगातार प्रयासों, सुरागरसी, मुखबिर सूचना एवं तकनीकी सहायता के माध्यम से 23 फरवरी को अपहता नाबालिग बालिका को पुणे महाराष्ट्र से दस्तयाब कर उसके परिजनो को विधिवत सुपुर्द किया। बालिका की दस्तयाबी होने से बालिका के परिजनो में खुशी माहौल व्याप्त है एवं परिजनो द्वारा पुलिस आभार व्यक्त किया गया है। इस कार्यवाही में थाना प्रभारी निरीक्षक विकास सिंह, स.उ.नि. विपिन बिहारी राय, आर. सुनील यादव, आर आनन्द, म. आर. संगम तोमर और साइबर सेल से पंकज द्वारा गंभीरता, त्वरित एवं सतर्कता से कार्य किया गया।

सेल्फ डिफेंस समर कैंप का किया जायेगा आयोजन

कोतमा। मार्शल आर्ट खेल एवं कला एकेडमी के मुख्य प्रशिक्षक एवं डायरेक्टर देवशरण सिंह ने बताया कि हर बर्ष की भांति इस वर्ष भी 15 अप्रैल से सेल्फ डिफेंस आर्ट आत्मरक्षा प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया जाएगा जिसमे बेटियो को निशुल्क प्रशिक्षण दिया जाएगा। उनको विशेष रूप से अपने आत्मरक्षा के लिए कहां कैसे बचना है शारीरिक मानसिक रूप से मजबूत बनाए जाने का प्रयास किया जाएगा और भी अन्य गतिविधियां संचालित किया जाएगा। जिसमे सभी लोग शामिल हो सकते हैं अलग अलग टाइम पर योगासन, व्यायाम, साधरण व्यायाम खान पान के माध्यम से स्वस्थ्य रह सके इस तरह के कई मध्यम से महिला पुरुष सभी इस समर कैंप में शामिल होकर शारीरिक मानसिक रूप से लाभ ले सकते हैं। साथ ही ओपन अंतर राज्जीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता आयोजित किया जाना सुनिश्चित है प्रतिभागी खिलाड़ियों को प्रथम, दुतीय, तृतीय आने वालो को क्षेत्र के सम्मानित नागरिकों द्वारा पुरस्कृत किया जाएगा जिससे खेल के प्रति रुझान बढ़ेगा।

बुढ़ार के इतिहास में स्वर्ण अक्षरों से अंकित हुआ मंगल मिलन

पाषाण से परमात्मा बनने की यात्रा प्रारंभ

शहडोल। जिले की बुढार की धरा पर आस्था का वह सैलाब उमड़ा कि हर आंख सजल थी और हर कंठ जयकारों से गुंजायमान हुआ। यह श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर के पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महामहोत्सव के पूर्व दो महान मुनि संघों के ऐतिहासिक मंगल मिलन का अवसर था। जब शहडोल से पदविहार कर आए निर्यापक श्रमण मुनि श्री प्रसाद सागर जी महाराज व मुनि श्री शीतल सागर जी महाराज का मिलन ज्येष्ठ मुनि श्री प्रमाण सागर जी महाराज व मुनि श्री संधान सागर जी महाराज से हुआ, तो दृश्य ऐसा था मानो सोने में सुहागा मिल गया हो।

भक्ति के अतिशय से सराबोर हुई नगरी

बुढार समाज के लिए यह क्षण किसी दिव्य स्वप्न से कम नहीं है। ठीक 25 वर्ष पूर्व वर्ष 2001 में मुनि श्री चिन्मय सागर जी के सानिध्य में ऐसा महोत्सव हुआ था और आज 2026 में पुनः आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के चार-चार सुयोग्य शिष्यों का सानिध्य मिलना नगर के प्रबल पुण्योदय का प्रतीक है। मुनि संघ के प्रवक्ता अविनाश जैन विद्यावाणी और गौरव नारद ने बताया कि मुनिद्वय के आगमन से पंचकल्याणक की महिमा में चार चांद लग गए हैं।

इंसान बनने का कोई मंत्र नहीं

मंगल मिलन के पश्चात आयोजित धर्मसभा में भावना योग प्रणेता मुनि श्री प्रमाण सागर जी महाराज ने अपनी धारदार वाणी से जनमानस को झकझोर दिया। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा शास्त्रों में पाषाण की मूर्ति के कान में मंत्र फूंककर उसे भगवान बनाने का विधान तो है, लेकिन दुनिया की किसी किताब में ऐसा मंत्र नहीं लिखा जो इंसान के कान में फूंकते ही उसे इंसान बना दे। यदि ऐसा होता, तो हम प्रवचन देने के बजाय सबको पकडक़र कान में मंत्र फूंक देते। मुनि श्री ने जोर देकर कहा कि पंचकल्याणक केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि आत्म-बोध का प्रयोजन है। उन्होंने श्रद्धालुओं को अहोभाव, अहंभाव, भक्तिभाव और मुक्तिभाव के चार सूत्रों को जीवन में उतारने की प्रेरणा दी।

श्रद्धा का अनूठा संगमः जब एक हुए दो संघ

इस अवसर पर निर्यापक मुनि श्री प्रसाद सागर जी महाराज ने एकता का संदेश देते हुए कहा कि हम दो संघ नहीं, बल्कि एक ही गुरु आचार्य विद्यासागर जी की संतानें हैं। उन्होंने ज्ञान की व्याख्या करते हुए मति, श्रुत, अवधि, मनःपर्यय और केवलज्ञान की महत्ता पर प्रकाश डाला। वहीं, मुनि श्री शीतल सागर जी ने भावुक होते हुए 1992 के विदिशा प्रवास को याद किया और कहा कि ज्येष्ठ मुनि श्री का आदेश मिलते ही बुढ़ार आने का संकल्प स्वतः सिद्ध हो गया।

सात दिवसीय अनुष्ठान का रोडमैप

प्रतिष्ठाचार्य बाल ब्रह्मचारी अशोक भैया, अभय भैया और अमित शास्त्री के निर्देशन में आज 25 फरवरी से अयोध्या नगरी (रेस्ट हाउस के समीप) में मांगलिक क्रियाएं शुरू हो रही हैं। 25 फरवरी (बुधवार): भव्य घटयात्रा, ध्वजारोहण एवं गर्भ कल्याणक (पूर्व रूप)। 26 फरवरी (गुरुवार): गर्भ कल्याणक महोत्सव (उत्तरार्द्ध)। 27 फरवरी (शुक्रवार): जन्माभिषेक एवं जन्म कल्याणक महोत्सव। 28 फरवरी (शनिवार): वैराग्य एवं तप कल्याणक महोत्सव। 01 मार्च (रविवार): केवलज्ञान कल्याणक महोत्सव। 02 मार्च (सोमवार): मोक्ष कल्याणक महोत्सव एवं विशाल गजरथ यात्रा।

देशभर से उमड़ा श्रद्धा का सैलाब

प्रसन्न जैन दीपू के अनुसार इस महामहोत्सव में भाग लेने के लिए अनूपपुर, धनपुरी, कटनी, जबलपुर, सागर, नागपुर और ललितपुर सहित देशभर से हजारों श्रद्धालु और विद्वान बुढार पहुंच चुके हैं। बुढ़ार युवा संगठन, जागृति महिला मंडल और त्रिशला मंडल की टीमें व्यवस्थाओं को अंतिम रूप देने में जुटी हैं।

धर्म की व्यावहारिक जीत

मुनि श्री प्रमाण सागर जी ने आधुनिकता और संस्कारों के बीच संतुलन का जो आह्वान किया है, उसने युवाओं में नई ऊर्जा फूंकी है। क्रोध, अहंकार और लोभ जैसे आंतरिक शत्रुओं को जीतने का उनका आह्वान इस पंचकल्याणक को कर्मकाण्ड से ऊपर उठाकर जीवन परिवर्तन के उत्सव में बदल रहा है। कल प्रातः 7:30 बजे जब नगर परिक्रमा के साथ घटयात्रा निकलेगी, तो बुढार का कण-कण विद्या शिरोमणि आचार्य श्री समयसागर जी महाराज और मुनि संघ के जयकारों से गूंज उठेगा।

डीएमएफ फंड का उपयोग मूलभूत समस्याओं के निराकरण में करें

सांसद की अध्यक्षता में डीएमएफ एवं दिशा समिति की बैठक संपन्न

उमरिया। शहडोल संसदीय क्षेत्र की सांसद श्रीमती हिमाद्री सिंह की अध्यक्षता में कलेक्टर सभागार उमरिया में डीएमएफ एवं दिशा समिति की बैठक संपन्न हुई। बैठक में बताया गया कि डीएमएफ फंड की राशि में उच्च प्राथमिकता के कार्यो में 60 प्रतिशत तथा अन्य प्राथमिकता वाले कार्यो में 40 प्रतिशत की राशि उपयोग कि जाती है। सांसद शहडोल संसदीय क्षेत्र श्रीमती सिंह ने कहा कि डीएमएफ फंड का उपयोग ज्यादा से ज्यादा मूलभूत समस्याओं एवं आधारभूत संरचनाओं को विकसित करने के लिए किया जाए।आंगनबाडी केंद्रो में लाईट, पानी की सुविधा, ग्रामीण स्तर पर खेलने योग्य खेल मैदान बनाने पर जोर दिया जाए।
उन्होने कहा कि जहां नेटवर्क की समस्या है,वहां पर टॉवर की स्थापना करने के प्रस्ताव तैयार किए जाएं। उन्होने कहा कि केंद्र एवं प्रदेश सरकार व्दारा अनेक हितग्राहीमूलक योजनाओं का संचालन किया जा रहा है । शासकीय योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक लोगो तक पहुंचे, इसके लिए आवश्यक है कि 10 से 15 ग्रामों के बीच कैंप आयोजित किए जाए और ग्रामीणों से आवेदन प्राप्त करते हुए शासकीय योजनाओं से लाभांवित किया जाना सुनिश्चित किया जाए। उन्होने कहा कि ग्रीष्मकाल प्रारंभ होने वाला है। ग्रीष्मकाल में उमरिया जिलेवासियों को पेयजल संकट का सामना नही करना पड़े इसके लिए आवश्यक है कि डीएमएफ मद से पानी की व्यवस्था की जाए, ताकि आम जनों को पेयजल के लिए परेशानियों का सामना नही करना पड़े और उन्हे सहजता के साथ पेयजल उपलब्ध हो सके। शहडोल संसदीय क्षेत्र सांसद श्रीमती हिमाद्री सिंह ने नल जल योजना की समीक्षा करते हुए कहा कि नल जल योजना का उद्देश्य है की हर घर शुध्द जल पहुंचे,इस पर विशेष ध्यान दिया जाए तथा पानी की गुणवत्ता को चेक किया जाए। उन्होने कहा कि उमरिया जिले में जिन ठेकेदारों के व्दारा नल जल का कार्य पूर्ण कर लिया गया है परंतु ग्रामवासियों को नल से जल नही मिल रहा है या नल जल योजना का कार्य गुणवत्ता के साथ नही किया गया है, ऐसे ठेकेदारों को ब्लैकलिस्टेड करने की कार्यवाही की जाए।
बैठक में प्रधानमंत्री खनिज क्षेत्र कल्याण योजना मद पर चर्चा, प्रधानमंत्री ग्रामीण सडक योजना के कार्यो की प्रगति पर चर्चा, राष्ट्रीय पेयजल योजना की गतिविधियों की समीक्षा , महात्मा गांधी राष्ट्रीय रोजगार गांरटी योजना, वन विभाग की केन्द्रीय क्षेत्र की योजनाओ की समीक्षा,महिला बाल विकास विभाग के कार्यो की समीक्षा सहित अन्य बिंदुओ की चर्चा करते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। सांसद महोदया ने बैठक में एसडीओ पीडब्ल्यूडी कि अनुपस्थिति पर शो काज नोटिस जारी करनें के निर्देश कलेक्टर को दिए।
बैठक में कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन,सीईओ जिला पंचायत अभय सिंह, वनमंडलाधिकारी विवेक सिंह,आशुतोष अग्रवाल सहित समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

जनसुनवाई में कलेक्टर ने सुनी आवेदकों की समस्याएं

उमरिया। कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन ने जिले के दूर दराज से आए 46 लोगों की समस्याओ को सुना तथा समस्याओ के निराकरण के लिए आवेदन संबंधित विभाग की ओर प्रेषित किया । जनसुनवाई में नीतू सिंह,पुष्पेंद्र सिंह रघुवंशी, पूजा, एस के द्विवेदी ने अवैध रेत उत्खनन एवं शराब ठेकेदार व्दारा कि जा रही अवैध पैकारी पर कार्यवाही किए जाने,कमलेश कोरी ग्राम पडवार ने पीएम आवास योजना का लाभ दिलाने, मोहन, लल्लू, अवसर, नंदू बैगा ग्राम पतरेई ने वन भूमि का पट्टा दिलाने,राघवेन्द्र प्रताप सिंह ग्राम बडछड ने भूमि स्वामियो का नाम दर्ज कराने, माया बाई ग्राम देवरा ने पिता की मौत उपरांत सहायता राशि दिलाने, रामदीन बैगा ग्राम ताली ने बालक की मौत सर्पदंश से होने पर सहायता राशि दिलाने, अंजुम बानो दुब्बार ने खड़ी दीवार को हटाकर रास्ता दिलाने, रामशरण छपरौद ने नक्शा तरमीम कराने, योगी निवासी देवरा ने जनचौपाल का निर्माण कराए जाने, अकिया बाई टिकुरी ने राशन पर्ची दिलाने, राजेन्द्रन सिंह गोपालपुर ने सम्मान निधि योजना का लाभ दिए जाने संबधी आवेदन दिया । इस अवसर पर डिप्टी कलेक्टर कमलेश नीरज सहित जिला प्रमुख अधिकारी उपस्थित रहे।

जनगणना 2027 हेतु दो दिवसीय जिला स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्पन्न

अनूपपुर। आगामी जनगणना 2027 के सफल क्रियान्वयन के उद्देश्य से अनूपपुर जिला पंचायत सभागार में आयोजित दो दिवसीय जिला स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आज सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य प्रथम चरण के अंतर्गत होने वाले मकान सूचीकरण (हाउस लिस्टिंग) एवं मकानों की गणना कार्य को त्रुटिरहित एवं व्यवस्थित रूप से संपादित करना है। प्रशिक्षण में जनगणना निदेशालय भोपाल के सांख्यिकी अधिकारी महेन्द्र यादव द्वारा अधिकारियों को डिजिटल माध्यम से डेटा संकलन की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। उन्होंने मोबाइल एप्लीकेशन एवं वेब पोर्टल के माध्यम से जानकारी संकलन, डेटा एंट्री, सत्यापन एवं मॉनिटरिंग की प्रक्रिया से अवगत कराया। कार्यक्रम के माध्यम से अधिकारियों को जनगणना कार्य के तकनीकी एवं प्रायोगिक पहलुओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई, जिससे आगामी जनगणना 2027 को सफल एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपादित किया जा सके। उल्लेखनीय है कि यह भारत की पहली डिजिटल जनगणना होगी, जिसमें मोबाइल ऐप और विशेष वेब पोर्टलों का उपयोग किया जाएगा। नागरिकों के लिए 'स्व-गणना' की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी, जिससे वे निर्धारित पोर्टल के माध्यम से स्वयं अपनी जानकारी दर्ज कर सकेंगे। जिले में जनगणना कार्य दो प्रमुख चरणों में सम्पन्न किया जाएगा। प्रथम चरण (01 मई से 30 मई 2026) में मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना तथा द्वितीय चरण (फरवरी 2027) में जनसंख्या की वास्तविक गणना की जाएगी। प्रशिक्षण कार्यक्रम में अपर कलेक्टर दिलीप कुमार पाण्डेय, एसडीएम पुष्पराजगढ़ वसीम अहमद भट्ट, एसडीएम अनूपपुर कमलेश पुरी, एसडीएम जैतहरी सतीश कुमार वर्मा, एसडीएम कोतमा टी. आर. नाग, डिप्टी कलेक्टर सुश्री प्राशी अग्रवाल सहित जनगणना कार्य हेतु नियुक्त अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

ग्राम ताली एवं सरसवाही में मुर्गी पालन का प्रशिक्षण संपन्न

उमरिया। कृषि विज्ञान केंद्र, उमरिया के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ के पी तिवारी के मार्गदर्शन में कार्यालय के सस्य वैज्ञानिक डा धनंजय सिंह, गृह वैज्ञानिक डा विनीता सिंह एवं कार्यक्रम सहायक कुंदन मुवेल द्वारा कृषि विज्ञान केंद्र, उमरिया सभागार में ग्राम ताली एवं सरसवाही के कृषकों हेतु आई सी ए आर-निशाद, भोपाल द्वारा वित्तपोषित मुर्गी पालन विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजन किया गया।

प्रशिक्षण में कुल 56 किसान प्रतिभागी भाग लिए। प्रशिक्षण में डॉ के पी तिवारी द्वारा बताया गया कि आज के समय में किसानों का ध्यान केवल परंपरागत खेती तक सीमित नहीं रह गया है। बदलते बाजार, बढ़ती मांग और रोजगार के नए अवसरों के कारण किसान अब विविध व्यवसायों की ओर कदम बढ़ा रहे हैं। इन्हीं में से एक है पोल्ट्री फार्मिंग यानी मुर्गी पालन है । यह एक ऐसा क्षेत्र है जहां कम पूंजी में व्यवसाय शुरू किया जा सकता है और लगातार आय प्राप्त की जा सकती है। साथ ही मुर्गी के चूजों को रहने के लिए मुर्गी गृह बनाने के तरीके का विस्तार से चर्चा किया गया।
मुर्गियों के अंडो से इन्क्यूबेटर के माध्यम से बच्चे कैसे निकले जाते हैं का सविस्तार समझाइस दिया गया। केंद्र के वैज्ञानिक डा धनंजय सिंह द्वारा बताया गया कि बदलते मौसम में खेती में अधिक बारिस एवं सूखा पडने पर खेती में होने वाले नुकसान की भरपाई खेती के साथ साथ मुर्गी पालन, बकरी पालन एवं कृषि के अन्य आयामों को अपनाने से की जा सकती है। डा विनीता सिंह ने मुर्गियों के स्वास्थ्य और तेज विकास के लिए सही फीड बेहद आवश्यक है। चूजों को पहले 15 दिन तक बारीक दलिया (स्टार्टर फीड) दें। उम्र के अनुसार स्टार्टर, ग्रोअर और फिनिशर फीड अवश्य बदलें। फीड में विटामिन, मिनरल्स और प्रोटीन की संतुलित मात्रा होनी चाहिए। संभव हो तो किसान अपने खेत की सामग्री (मक्का, चना, बाजरा आदि) का उपयोग करके फीड तैयार कर सकते हैं। इससे लागत काफी कम हो जाती है। श्री कुंदन मुवल द्वारा बताया गया कि पोल्ट्री फार्मिंग में शुरुआती 15 से 20 दिन चूजों के लिए सबसे संवेदनशील समय होता है। फार्म में डिसइंफेक्शन (कीटाणु-नाशन) का प्रयोग करें करें। हवा, नमी और रोशनी का संतुलन रखें ताकि चूजों का विकास सही तरीके से हो सके।

तालाब खो चुके है अपना अस्तित्व

कोतमा। नगर में लगभग एक दर्जन से ऊपर तालाब थे जो वर्तमान में तालाब अपना अस्तित्व ही खो चुके है या कुछ अतिक्रमण की चपेट में आ गए और कुछ तालाब सूख गए कुछ तालाबों में पानी है जिनका उपयोग ग्रामीण एवं गरीब तपके के लोग नहाने के लिए करते हैं एवं जानवर पानी पीते हैं। कुछ तालाब गंदगी से भरे पड़े हैं। नगर के वार्ड क्रमांक 4 में मुक्तिधाम के पास केरहा डैम वार्ड क्रमांक 1 केरहा झिरिया जो गंदगी से भरा पड़ा है। वार्ड क्रमांक 4 में पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष स्व. राजेश सोनी के द्वारा डैम का निर्माण करवाते हुए घाट बनवाया गया था। उनका उद्देश्य यह था कि आसपास के लोगों का निस्तार इस डैम से होगा। लेकिन नगर पालिका के द्वारा नगर से निकलने वाले सीबर नाला को इस डैम से जोड़ दिया जिसके कारण सीवर का पानी इस डैम में जा रहा है। इसके बावजूद इस पानी का उपयोग आसपास के लोग कर रहे हैं। डैम वर्तमान में गंदगी से भरा पड़ा है। नगर पालिका के द्वारा इसके सफाई पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। गंदगी भरे तालाब में प्रतिदिन आसपास के लोग नहाते हैं लेकिन नगर पालिका इस डैम की साफ सफाई की ओर ध्यान नहीं दे रहा है जिसके कारण आसपास के लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। नागरिकों ने नगर पालिका प्रशासन से डैम की साफ सफाई करवाये जाने की मांग की है।

खबर संक्षेप

उप जिला मूल्यांकन समिति की बैठक संपन्न

उमरिया। अनुविभागीय अधिकारी बांधवगढ अंबिकेश प्रताप सिंह की अध्यक्षता में उप जिला मूल्यांकन समिति की बैठक संपन्न हुई। बैठक में उमरिया खास सहित आस पास के क्षेत्रों को मर्ज न करके विशिष्ट ग्राम में शामिल करने के प्रस्ताव अनुविभागीय अधिकारी ने दिए साथ ही प्रस्तावित 20-40 प्रतिशत में 30 प्रतिशत एवं 40- 60 प्रतिशत में 50 प्रतिशत वृध्दि प्रस्तावित करने का निर्णय लिया गया । बैठक में अनुभाग के 846 लोकेशनो में से 380 लोकेशनो पर मूल्य डर पर वृध्दि करने का निर्णय लिया गया। बैठक में उप जिला रजिस्ट्रार अशीष श्रीवास्तव सहित समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

हाई स्कूल की गणित विषय की परीक्षा संपन्न

उमरिया। जिले मे हाई स्कूल कि गणित विषय की परीक्षा 45 परीक्षा केंद्रों में संपन्न हुई। परीक्षा में कुल दर्ज 7636 परीक्षार्थियो में से 7499 परीक्षार्थी ने परीक्षा दी,वहीं 137 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। जिला शिक्षा अधिकारी ने परीक्षा केंद्र शासकीय उमावि उत्कृश्ट मानपुर, शासकीय उमावि बल्हौड, शासकीय उमावि नौगवां एवं अशासकीय सरस्वती उमावि मानपुर का निरीक्षण किया । परीक्षा केंद्र में नकल प्रकरण दर्ज नही हुए है।परीक्षा का संचालन मंडल के निर्देशानुसार होना पाया गया।परीक्षा केंद्रो पर पुलिस बल तैनात पाया गया।

विस्फोटक से युवक गंभीर रूप से घायल

कटनी। ढीमरखेड़ा तहसील के अंतर्गत आने वाले ग्राम छाहर में विस्फोटक सामग्री के लापरवाही पूर्वक इस्तेमाल के कारण एक युवक के घायल होने का मामला सामने आया है। पुलिस ने इस संबंध में अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार गत दोपहर लगभग 3:30 बजे ग्राम छाहर में किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा बेहद लापरवाही के साथ विस्फोटक का उपयोग किया गया। इस धमाके की चपेट में आने से 28 वर्षीय जयंत गोंड निवासी ग्राम छाहर, गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की सूचना मिलने के बाद ढीमरखेड़ा पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के विरुद्ध अपराध दर्ज किया गया है। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि वह विस्फोटक किस प्रकार का था और उसे वहां किसने और किस उद्देश्य से रखा था। घायल जयंत का उपचार अस्पताल में जारी है। पुलिस ग्रामीणों से पूछताछ कर आरोपी की तलाश में जुटी है।

होटल से नकदी सहित जेवरात हुए पार

कटनी। कुठला थाना क्षेत्र अंतर्गत पहरूआ के समीप एक निजी होटल में चोरी की एक वारदात सामने आई है। होटल की गैलरी में रखा सामान अज्ञात व्यक्ति ने चोरी कर लिया। शिकायतकर्ता रोशन लाल त्रिसूलिया 37 वर्ष निवासी साईं मंदिर के पीछे ने पुलिस को बताया कि घटना 20 फरवरी की रात लगभग 12:30 बजे की है।

ईपीएफ राशि जमा न करने का आरोप

बरगवां-अमलाई के सफाई कर्मचारी हड़ताल पर

नगर परिषद बरगवां-अमलाई के सफाई कर्मचारी अपनी विभिन्न मांगों को लेकर आज से हड़ताल पर बैठ गए हैं। कर्मचारियों ने एकत्रित होकर विरोध प्रदर्शन किया और प्रशासन व ठेकेदार के खिलाफ नारेबाजी की।

अमलाई (अनूपपुर)।

हड़ताल स्थल पर सभा आयोजित कर कर्मचारियों ने अपनी समस्याओं को विस्तार से रखा। हाल ही में कर्मचारियों ने अपनी मांगों को लेकर हड़ताल किया था जिसमे सीएमओ द्वारा आश्वासन देकर काम पर वापस कर लिया गया था।बड़ी संख्या में सफाई कर्मचारी एकजुट नजर आ रहे हैं। कर्मचारी प्रतिनिधियों ने मंच से संबोधित करते हुए आरोप लगाया कि लंबे समय से उनकी मांगें लंबित हैं और कई बार ज्ञापन देने के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई।कर्मचारियों का आरोप है कि उनके वेतन से ईपीएफ (कर्मचारी भविष्य निधि) की राशि नियमित रूप से काटी जाती है, लेकिन ठेकेदार द्वारा उसे संबंधित खाते में जमा नहीं किया जा रहा है। इसे लेकर कर्मचारियों में भारी आक्रोश है। उनका कहना है कि यह उनके भविष्य और सामाजिक सुरक्षा से जुड़ा गंभीर विषय है।इसके अलावा कर्मचारियों ने समय पर वेतन भुगतान, कार्य की स्थायी व्यवस्था, सुरक्षा उपकरण उपलब्ध कराने और अन्य लंबित मांगों को भी उठाया। कर्मचारियों ने चेतावनी दी है कि जब तक उनकी मांगों पर स्पष्ट और लिखित निर्णय नहीं लिया जाता, तब तक हड़ताल जारी रहेगी।हड़ताल के कारण नगर परिषद क्षेत्र में साफ-सफाई व्यवस्था प्रभावित होने लगी है। यदि जल्द समाधान नहीं निकला तो शहर में कचरे का अंबार लग सकता है, जिससे आम नागरिकों को परेशानी का सामना करना पड़ेगा।

संत शिरोमणि गाडगे महाराज की 150 वीं जयंती समारोह संपन्न

बिरसिंहपुर पाली

एडवोकेट संतोष कुमार रजक प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए बताया कि 23 फरवरी को संत शिरोमणि गाडगे महाराज की 150 वीं जयंती में शिव शक्ति कुटिया धाम वार्ड क्रमांक 2 पाली में हर्षल उलॉस के साथ दीप प्रज्वलित कर मनाई गई। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष सुश्री शकुंतला प्रधान जी ने अपना मत व्यक्त करते हुए कहाꣳ कि संत श्री गाडगे महाराज जी की स्वच्छता शिक्षा और आपसी भाईचारे के संस्थापक रहे हैं उन्होंने कहा कि बेटी की शिक्षा समाज के उत्थान के लिए उसी प्रकार जरूरी है जैसे जीने के लिए शुद्ध हवा की। कार्यक्रम में एडवोकेट संतोष रजक ,एडवोकेट दिनेश रजक, एडवोकेट सुरेश रजक ,पार्षद शहडोल सिल्लू रजक, उमेश रजक, जबलपुर से एडवोकेट महेश रजक ,एडवोकेट रानो रजक उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाते हुए फिजूल खर्ची को शादी में बंद कर सामाजिक सम्मेलन में शादी करने पर जोर दिया इस अवसर पर एडवोकेट संतोष कुमार रजक ने कहा कि ₹ बहुत जल्द रजक समाज का प्रतिनिधिमंडल अपनी विभिन्न मांगों को लेकर मुख्यमंत्री माननीय श्री मोहन यादव जी से मुलाकात करेंगे

मोहना ट्रेडर्स नाम हितग्राहियों को करोड़ों रुपए का चूना लगाकर दुकान में ताला लगाकर भागा

ब्योहारी

ब्योहारी विधानसभा क्षेत्र में ब्योहारी नगर परिषद क्षेत्र वार्ड 13 पपौध चूंगी नाका से पपौध रोड़ LIC के पास आफिस के थोड़ा आगे अस्पताल रोड पर दक्षिण भारत का निवासी मोहना ट्रेडर्स के नाम से लगभग एक माह से दुकान खुली हुई थी जहां पर पम्पलेट माध्यम से प्रचार कर मार्केट रेट कम कम से दाम बिक्री का प्रचार किया ये - ये समान है उसके पास ब्योहारी क्षेत्र में प्रचार प्रसार किया। फिज, वाशिंग मशीन,LED , शादी विवाह में देने वाले शोफा सेट कूलर, पलंग, पंखा डेर्सिग टेबल गैस चूल्हा, कूकर, बिस्तर वाली पेंटी, अलमारी आदि घर में रसोई में जरूरत के सभी प्रकार समाग्री उसके दुकान में मार्केट

रेट आधा दाम में सामाग्री खरीनें बिक्री करने ब्योहारी क्षेत्र के साथ नगर परिषद ब्योहारी के हितग्राहियों ने खूब खारीददारी कि पिछले माह से अब तक 22 फरवरी तक चर्चा है कि लगभग पांच से सात लोगों हितग्राहियों नगद दें कर अपने अपने घरों व शादी विवाह में देने लेनें वाले सामाग्री बुक किया जा रहा था हर हितग्राहियों को 12 दिन का समय देता था व सामाग्री का नाम रकम बिल काटकर जी एस टी नम्बर सहित बिल देता लेकिन मोबाइल नंबर किसी बिल में नहीं देता था चूंगी नाका से अस्पताल रोड पर मार्केट कि भारी भीड़ रहती है फिर मोहना ट्रेडर्स नाम फर्जी दुकानदार ने करोड़ों रुपए का डाका डाल कर भाग गया हितग्राही सभी प्रकार के कोई खून पसीना कामाई मिडिया बर्ग मजदूर तथा बहुत से लोग अपने बच्चों के शादी विवाह के सामान खरीदने के लिए पैसा जुटाऐ थे तो लोग मार्केट से आधे दाम के चक्कर में घर रखें पैसे को दिन दहाड़े लूट कर भाग गया फर्जी मोहना ट्रेडर्स नाम के दुकानदार ने करोड़ों रुपए का डंका कि चोट डाका डाल कर हितग्राहियों को चूना लगाकर भागा। बाताया जाता है हितग्राहियों के द्वारा ब्योहारी थाना रिपोर्ट डाल रहे हैं जिससे हितग्राही परेशान हैं जहां जहां तक लोग सुना सारे काम छोड़ कर ब्योहारी थाना रिपोर्ट डाल रहे हैं। मोहना ट्रेडर्स नाम के दुकानदार के मेला जैसा लगा है दुकानदार कि भागने कि खबर जैसे जंगल में आग लगने जैसा हाल हैं।

वीरांगना रानी अवंतीबाई लोधी की प्रतिमा का अनावरण 20 मार्च को

हरिभूमि न्यूज ⏭ स्लीमनाबाद

जिला कांग्रेस ग्रामीण अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक कुंवर सौरभ सिंह बहोरीबंद विकासखंड अन्तर्गत ग्राम पंचायत पिपरिया (बाकल) पहुंचे जहां उन्होंने वीरांगना रानी अवंतीबाई लोधी की प्रतिमा के अनावरण स्थल का अवलोकन कर वहां की स्थिति का जायजा लिया। वीरांगना रानी अवंतीबाई लोधी भव्य प्रतिमा का अनावरण संभवतः 20 मार्च को निर्धारित किया गया है। ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष संतोष पटेल ने बताया कि वीरांगना रानी अवंतीबाई लोधी की प्रतिमा अनावरण समारोह में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी, वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं राज्यसभा सांसद विवेक कृष्ण तन्खा सहित भोपाल दिल्ली से दिग्ज नेता शामिल हो सकते हैं। कार्यकम में भव्यता प्रदान करने बृहद रूप में तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। इस दौरान जिला महामंत्री अजय गर्ग,ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष नरेंद्र सैनी, डॉ गंगा राम पटेल,राममिलन दुबे,सरपंच पिल्लू पटेल, युवा कांग्रेस नेतानीरज पटेल, ब्लाक सेवादल

जिले के सभी विकासखंडों में शिविरों का आयोजन कल से

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

कलेक्टर आशीष तिवारी के निर्देश पर बुधवार 25 फरवरी को विकासखंड कटनी, ढीमरखेड़ा, बड़वारा, रीठी, बहोरीबंद और विजयराघवगढ़ में संकल्प से समाधान अभियान के तहत लोगों के लिए शिविर का आयोजन किया गया है। इन शिविरों में प्राप्त आवेदनों का निराकरण कर पात्रों को शासकीय योजना एवं कार्यक्रमों में लाभान्वित कराया जाएगा। अभियान के तहत बुधवार 25 फरवरी को कटनी के ग्राम छहरी, बड़खेडा, बिचुवा, भनपुरा नं 1, भनपुरा नं 2 व शाहपुर ग्राम के लोगों के लिए बड़खेड़ा में शिविर का आयोजन किया गया है। इसी प्रकार विकासखंड ढीमरखेड़ा के ग्राम आमाझाल, कोठी, खमरिया, जिर्री, दादर, सिहुढ़ी, भमका, महगवां ग्राम के लोगो के लिए ग्राम पंचायत कोठी में शिविर का आयोजन किया जाएगा। वहीं विकासखंड बड़वारा के ग्राम इमलिया, कुम्हरवारा, खरहटा, गणेशपुर, देवरी, बढ़री, बसाडी, भदोरा, रोहनिया, लोहरवारा, सकरीगढ़ ग्राम के लोगों के लिए ग्राम पंचायत बसाड़ी में शिविर का आयोजन किया जाएगा।
विकासखंड रीठी के ग्राम उमरिया, करहिया, घनिया, डाग, देवरीकला, पटेहरा, बरहटा, मोहास, रीठी, सिमरादि, महगवां ग्राम के लोगों के लिए बालक माध्यमिक शाला प्रागंण रीठी में शिविर का आयोजन किया जाएगा। विकासखंड बहोरीबंद के ग्राम कुडा धनिया, कौडिया, खिरहनी, चरगवा, जुझारी, तिहारी, देवरी, धूरी, पड़वार, पहरूवा, बडखेडा, नीमरखेडा, बधी(धूरी), मवई सलैयापयासी ग्राम के लोगों के लिए ग्राम पंचायत भवन कौड़िया में शिविर का आयोजन किया गया है। इसके अलावा विकासखंड विजयराघवगढ़ के ग्राम अमेहटा, खरखरी, जिजनौडी, टिकरिया, देवराकलॉ, पडखुरी, मैसवाही, मेहगवा, रजरवारा 2, सगरवारा, सुमरा, हरदुआ कला ग्राम के लोगों के लिए ग्राम पंचायत पड़खुरी में शिविर का आयोजन किया गया है।
26 फरवरी को नगर परिषद कैमोर के वार्ड नं 10 सन्डे मार्केट और कैलाश नगर वार्ड, वार्ड नं 11 श्रमिक नगर वार्ड, वार्ड नं 12 पंडित जवाहर लाल नेहरू वार्ड, वार्ड नं 9 सुभाष वार्ड के लोगों के लिए आंगनबाड़ी केन्द्र कैलाश नगर में शिविर का आयोजन किया गया है। इसके अलावा नगर परिषद विजयराघवगढ़ के वार्ड नं 10 बिहारी जू वार्ड, वार्ड नं 11 राजा सरजू प्रसाद वार्ड, वार्ड नं 12 हनुमान प्रसाद पाण्डैय वार्ड के रंगमंच के पास शिविर लगेगा।

बुढार में 25 वर्षों बाद 'पाषाण से भगवान' बनने का साक्षी बनेगा जन-मानसः पंचकल्याणक महोत्सव आज से

अयोध्या नगरी सज-धज कर तैयार; मुनि श्री प्रमाण सागर जी महाराज के सानिध्य में गूंजेंगे भक्ति के स्वर

बुढार।

आखिरकार 25 वर्षों का लंबा इंतजार समाप्त हुआ। शहडोल जिले के बुढार नगर में वह सौभाग्यशाली घड़ी आ गई है, जब श्रद्धालु अपनी खुली आंखों से पाषाण को भगवान बनने की अलौकिक प्रक्रिया के साक्षी बनेंगे। पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव एवं विश्व शांति महायज्ञ का भव्य शुभारंभ आज, 25 फरवरी से होने जा रहा है। इसके लिए स्थानीय रेस्ट हाउस के समीप भव्य 'अयोध्या नगरी' बसाई गई है, जहां 24 तीर्थंकरों की प्रतिमाओं की प्राण-प्रतिष्ठा की जाएगी।

महामुनियों का पावन सानिध्य

यह महामहोत्सव युगदृष्टा आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य और 'भावना योग' के प्रणेता मुनि श्री प्रमाण सागर जी महाराज, मुनि श्री प्रसाद सागर जी, मुनि श्री संधान सागर जी एवं मुनि श्री शीतल सागर जी के मंगल सानिध्य में

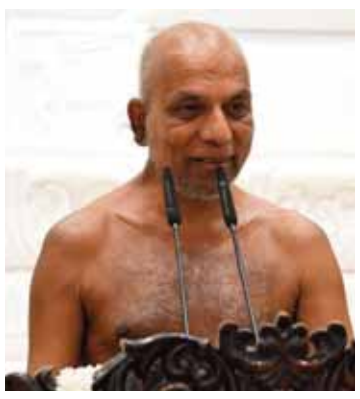

संपन्न होगा। प्रतिष्ठाचार्य अशोक भैया एवं अभय भैया के कुशल निर्देशन में विधि-विधान संपन्न कराए जाएंगे।

छह दिवसीय महोत्सव का कार्यक्रम

महोत्सव के दौरान प्रतिदिन भगवान के जीवन के महत्वपूर्ण पड़ावों को भक्तिभाव से मनाया जाएगाः

आयोजन

25 फरवरी (बुधवार): घटयात्रा, ध्वजारोहण एवं गर्भ कल्याणक (पूर्वार्ध)।26 फरवरी (गुरुवार): गर्भ कल्याणक महोत्सव (उत्तरार्ध)।27 फरवरी (शुक्रवार): जन्म कल्याणक महोत्सव का भव्य आयोजन।28 फरवरी (शनिवार): तप कल्याणक महोत्सव।1 मार्च (रविवार): ज्ञान कल्याणक महोत्सव।2 मार्च (सोमवार): मोक्ष कल्याणक महोत्सव एवं दोपहर में मुनि श्री की अगुआई में विशाल गजरथ यात्रा।

25 साल बाद जागा बुढार नगर का सौभाग्य

जैन समाज बुढार के प्रमुखों ने बताया कि इससे पूर्व बुढार नगर को यह सौभाग्य 24 से 29 अप्रैल 2001 में मुनि श्री चिन्मय सागर जी के सानिध्य में प्राप्त हुआ था। अब पूरे 25 वर्षों के अंतराल के बाद नगर में ऐसा धार्मिक अनुष्ठान हो रहा है।

इस महोत्सव में शामिल होने के लिए धनपुरी, चचाई, ओपीएम, अनूपपुर, शहडोल सहित कटनी, जबलपुर, सागर, ललितपुर और नागपुर जैसे दूर-दराज के शहरों से विद्वानों और श्रद्धालुओं का आगमन शुरू हो चुका है।विशेष आकर्षणः मूल नायक भगवान शांतिनाथ की मनोहारी प्रतिमा के साथ 24 तीर्थंकरों की प्रतिमाएं प्रतिष्ठित होंगी।बुढार युवा संगठन, जागृति महिला मंडल, त्रिशला महिला मंडल, स्तुति मंडल और पाठशाला मंडल के सदस्य व्यवस्थाओं को अंतिम रूप देने में जुटे हैं।

कलेक्टर की अध्यक्षता में एनसीओआरडी समिति की बैठक संपन्न

उमरिया। नशामुक्ति अभियान के सक्रिय क्रियान्वयन किए जाने तथा नशीली दवाओं और शराब के अवैध व्यापार को रोकने हेतु जागरूकता कार्यक्रम का क्रियान्वयन किए जाने हेतु कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन की अध्यक्षता में कलेक्टर सभागार मे एन सी ओ आर डी की बैठक संपन्न हुई ।

कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा मैराथन रैली, नशीली दवाओं के विरूद्ध दौड़, हस्ताक्षर अभियान, एनएमबीए एप पर ऑनलाईन एवं ऑफलाईन शपथ, तम्बाकू नियंत्रण केन्द्र द्वारा तम्बाकू उत्पदों के सेवन से होने वाली गम्भीर बीमारियों पर आधारित पोस्टर प्रदर्शनी लगाई जाये। वन मण्डल व्दारा विभिन्न विभागो , संस्थाओ से समन्वय कर मैराथन, प्रभातफेरी, नशामुक्त प्रदर्शनी का आयोजन किया जावे तथा एनएमबीए एप पर ऑनलाईन एवं ऑफलाईन शपथ दिलाया जाना सुनिश्चित किया जाए ।

सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग व्दारा कक्षा 8 वीं से 12 वीं तक स्कूल के विद्यार्थियो के लिये निबंध

लेखन, भाषण, रंगोली, ग्रापटी वाल फॉर ड्रग संदेश आदि का आयोजन, व्याख्यान, लघुकृत फिल्मो का प्रदर्शन किया जावे। विद्यालय के 100 मीटर के दायरे मे पान,गुटखा की दुकानो पर विक्रय को प्रतिबंधित किया जावे, नशामुक्ति शपथ ऑफलाईन तथा ऑनलाईन की जावे । विद्यालय स्तर पर उक्त कार्यकमो के आयोजन हेतु संबंधित प्राचार्य नोडल अधिकारी रहेंगे, जो अपने अपने विद्यालय में अनिवार्य रूप से कार्यकम आयोजित कर प्रतिवेदन प्रस्तुत करेंगे।

संबंधित प्राचार्य को नोडल अधिकारी आदेश जारी कर जिला शिक्षा अधिकारी सभी विद्यालय में अनिवार्य रूप से कार्यक्रम आयोजित करेंगे। चित्रकला, निबंध लेखन, भाषण रंगोली, लघुकृत फिल्मो का प्रदर्शन, व्याख्यान इत्यादि कायकम आयोजित कराये जावे। गतिविधियो मे प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को नामांकित कर जिला स्तरीय कार्यकम मे उपस्थित करावेंगे।

जिला परियोजना समन्वयक अधीनस्थ विकासखण्ड स्तर पर बीआरसी/बीईओ के माध्यम से नशामुक्ति जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित कराए।

प्राचार्य महाविद्यालयों/ आईटीआई/ पॉलिटेक्निक द्वारा विशेष समर कैम्पों गे प्रतियोगिताएँ - चित्रकला, निबंध लेखन, भाषण, रंगोली, ग्रापटी वाल फॉर ड्रग संदेश आदि का आयोजन किया जावे। महाविद्यालय के 100 मीटर के दायरे मे पान/गुटखा की दुकानो पर विकय को प्रतिबंधित किया जावे। जनपद पंचायत द्वारा क्षेत्रान्तर्गत जनप्रतिनिधियो / संस्थाओ एवं विभागो से समन्वय कर ग्राम पंचायतों में नशामुक्ति जनजागरूकता कार्यकम नशामुक्त पोस्टर प्रदर्शनी, मैराथन, प्रभातफेरी, संगोष्ठी एवं नशामुक्ति शपथ का अनिवार्य रूप से आयोजन सुनिश्चित किया जावे। सामाजिक सुरक्षा अधिकारी द्वारा अपने निकाय अंतर्गत अनिवार्यतः उक्त कार्यकम आयोजित किये जावे। ग्राम सभाओ का आयोजन कराया जावे। उन्होने कहा कि नगरीय निकायो द्वारा क्षेत्रान्तर्गत वार्डो, स्कूलो, कॉलेजो मे जनप्रतिनिधियो / संस्थाओ, व्यापारी संघो एवं विभागो से समन्वय कर नशामुक्ति जनजागरूकता कार्यकम नशामुक्त पोस्टर प्रदर्शनी, मैराथन, प्रभातफेरी, संगोष्ठी का अनिवार्य रूप से आयोजन सुनिश्चित किया जावे। कचरा वाहन / ऑटो रिक्शा द्वारा नशामुक्ति के संदेश का प्रसारण कराया जावे। जिला स्तर पर उपसंचालक सामाजिक न्याय विभाग नशामुक्ति कार्यकमो के आयोजन हेतु नोडल अधिकारी रहेंगे। जो विभिन्न विभागो से समन्वय कर जनजागरूकता कार्यक्रमो / गतिविधियों का आयोजन सुनिश्चित करेंगे।पुलिस विभाग द्वारा उपरोक्त सभी विभागों के अधिकारियों को अवगत कराया गया कि उनके संज्ञान आने वाले नशा संबंधी प्रकरणों की जानकारी पुलिस विभाग को अवगत कराया जाये जिससे इससे संबंधित संलिप्त अपराधियों के विरुद्ध वैधानिक कार्यवाही की जा सके।

बैठक में सीईओ जिला पंचायत अभय सिंह,संयुक्त कलेक्टर रीता डेहरिया, एसडीएम मानपुर हरनीत कौर कलसी, एसडीएम बांधवगढ अंबिकेश प्रताप सिंह, एसडीएम पाली मीनाक्षी इंगले,डिप्टी कलेक्टर कमलेश नीरज , जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग दिव्या गुप्ता सहित अन्य जिला प्रमुख अधिकारी उपस्थित रहे।

ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा के प्रति जागरूकता लाने बिजहा में समाजिक संस्था वार्षिक उत्सव कार्यक्रम सम्पन्न

शहडोल। अंचल के सामाजिक (रेवांचल सम्भाग) के संघ बिजहा में वार्षिक उत्सव का भव्य आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। एक शैक्षिक और सामाजिक संस्था के लिए वार्षिक उत्सव केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि साल भर की उपलब्धियों और बच्चों की प्रतिभा को निखारने का एक सशक्त मंच होता है। इस गरिमामय कार्यक्रम में क्षेत्र के प्रमुख दायित्व वान व्यक्तियों की उपस्थिति ने निश्चित ही बच्चों और आचार्य परिवार का उत्साहवर्धन किया होगा।
कार्यक्रम की प्रमुख झलकियां- कार्यक्रम में संगठन और स्थानीय प्रशासन का बेहतरीन समन्वय रहाः प्रमुख मार्गदर्शनः भाग प्रमुख विरेन्द्र बेदरे एवं अभियान प्रमुख राम ज्ञान पटेल की उपस्थिति ने कार्यक्रम को वैचारिक मजबूती दी। योजना एवं गतिविधिः विष्णु भाजी (रथ योजना प्रमुख) और देवेन्द्र प्रताप (गतिविधि प्रमुख) के सानिध्य से स्पष्ट होता है कि कार्यक्रम में रचनात्मकता और अनुशासन का संगम रहा होगा। स्थानीय नेतृत्वः संघ अध्यक्ष विजय कुमार गौतम , सचिव शिवजीत गौतम और पंचायत प्रतिनिधियों (सरपंच लल्ला सिंह, राजू सिंह व सचिव सुरेंद्र सोनी) की उपस्थिति सामुदायिक सहभागिता को दर्शाती है। शैक्षिक योगदानः संघ प्रमुख प्रतिभा कुशवाहा, नंदनी बसोर और सभी आचार्यों का समर्पण ही ऐसे कार्यक्रमों की नींव होता है।
कार्यक्रम का महत्व _इस प्रकार के आयोजनों से न केवल बच्चों को अपनी कला (नृत्य, नाटक, गीत) प्रदर्शित करने का अवसर मिलता है, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा के प्रति जागरूकता भी बढ़ती है।

खबर संक्षेप

आमाडांड में तेज रफ्तार ट्रेलर ने बाइक सवार को कुचला, मौके पर मौत, सीसीटीवी में कैद हादसा

राजनगर। रामनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत मलगा तिराहा के पास मंगलवार सुबह सात बजे के आस पास तेज रफ्तार ट्रेलर ने बाइक सवार को रौंद दिया,। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पूरी घटना पास की दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। मृतक की पहचान दिलहरण हथेला (55) निवासी आमाडांड के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार वे सुबह करीब 7 बजे बाइक से पास के मंदिर जा रहे थे। जैसे ही वे नेशनल हाईवे के टी-प्वाइंट से मलगा मार्ग की ओर मुड़े, पीछे से तेज रफ्तार ट्रेलर ने बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही वे बाइक सहित ट्रेलर के दाईं ओर गिर पड़े और ट्रेलर उनके ऊपर से गुजर गया। लोगों ने बताया गया कि ट्रेलर खाली था, और कोयला लोड करने खदान की ओर जा रहा था। सूचना मिलते ही रामनगर पुलिस मौके पर पहुंची और शव का पंचनामा तैयार कर पोस्टमार्टम के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बिजुरी भेज दिया। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर ट्रेलर को जब्त कर चालक को हिरासत में ले लिया है। थाना प्रभारी सुमित कौशिक के अनुसार, घटना के बाद परिजन और ग्रामीण मौके पर एकत्र हो गए और मुख्य सड़क को जाम कर दिया,। जिससे लगभग एक घंटे तक यातायात प्रभावित रहा। पुलिस द्वारा ट्रेलर और चालक को कब्जे में लेने के बाद जाम समाप्त कराया गया। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

पवित्र नगरी अमरकंटक में रिमझिम वर्षा से मौसम हुआ बेहद ठंडा

अमरकंटक। मध्य प्रदेश के प्रमुख पर्यटन एवं धार्मिक तीर्थ स्थल पवित्र नगरी अमरकंटक में 23 फरवरी की दोपहर लगभग 3:30 बजे आधे घंटे तक हुई रिमझिम वर्षा ने मौसम का मिजाज अचानक बदल दिया। बीते दो-तीन दिनों से नीले आकाश की जगह काले बादलों का डेरा, बीच-बीच में चल रही शीतल हवा और वातावरण में नमी-इन सबने वर्षा के संकेत पहले ही दे दिए थे। हल्की फुहारों के साथ हुई बारिश ने विदा लेती ठंड पर मानो अल्पविराम लगा दिया और तापमान में फिर से गिरावट दर्ज हुई। अचानक बढ़ी सर्दी का प्रभाव नगर में आए पर्यटकों और तीर्थयात्रियों पर स्पष्ट दिखाई दिया। पश्चिम बंगाल तथा आंध्र प्रदेश के विशाखापट्टनम से आए श्रद्धालुओं ने बताया कि उनके क्षेत्रों में इतनी तीव्र ठंड नहीं होती, जिसके कारण वे पर्याप्त गर्म वस्त्र साथ नहीं ला सके। दोपहर बाद वर्षा के चलते बढ़ी ठंड से बचने के लिए आगंतुक होटल-धर्मशालाओं की भट्टियों के पास अलाव तापते और गर्म चाय की चुस्कियों से राहत लेते नजर आए।

संवैधानिक तरीके से आंदोलन कर रहे पटवारियों को खदेड़ा

उखाड़ा तंबू, पटवारी ने कहा करेंगे कलेक्ट्रेट का घेराव

पटवारी के हड़ताल पर प्रशासन का हथौड़ा

अब होगी आर-पार की लड़ाई-चेतन सिंह

संवैधानिक तरीके से आंदोलन कर रहे पटवारियों को खदेड़ा अब होगी आर-पार की लड़ाई-चेतन सिंह

अनूपपुर। अनूपपुर में पटवारियों का शांतिपूर्ण आंदोलन अब टकराव में बदलता दिख रहा है। पटवारी संघ ने प्रशासन पर संविधान प्रदत्त अधिकारों के हनन का आरोप लगाते हुए कहा कि विधिसम्मत धरने को पुलिस बल के जरिए कुचला गया है। पंडाल उखाड़े जाने के बाद आंदोलन उग्र हो गया है और सशर्त सामूहिक इस्तीफे तक की चेतावनी दे दी गई है।

जिले में 12 फरवरी 2026 से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर बैठे पटवारियों के आंदोलन ने सोमवार शाम को नया मोड़ ले लिया है। पटवारी संघ का आरोप है कि शाम करीब 5:30 बजे जिला प्रशासन ने पुलिस बल के माध्यम से धरना स्थल पर लगाए गए टेंट को जबरन उखाड़ दिया है। संघ का कहना है कि वे संविधान के तहत मिले अधिकारों के अनुसार शांतिपूर्ण और विधिसम्मत आंदोलन कर रहे थे, बावजूद इसके प्रशासन ने दमनात्मक कार्रवाई की है जो हिटलरशाही रवैया को दर्शाता है और संवैधानिक अधिकारों है हनन है। पटवारी संघ जिलाध्यक्ष चेतन सिंह ने स्पष्ट कहा कि मांगों पर अब तक कोई संतोषजनक कार्रवाई नहीं हुई है, उलटे दबाव, नोटिस और धमकी का सहारा लिया जा रहा है। इस कार्रवाई के बाद संघ ने प्रदेशभर के पटवारियों को अलर्ट कर दिया है। चेतावनी दी गई है कि इस हिटलरशाही रवैया के बाद अब प्रदेश भर के सभी पटवारी एकजुट होकर कलेक्टर कार्यालय का घेराव करेंगे जिसका जिम्मेदार जिला प्रशासन होगा। हालात ऐसे बने हैं कि जिले की राजस्व व्यवस्था पर गंभीर संकट मंडराने लगा है।

जबरन टेंट उखाड़ने से भड़का आक्रोश

पटवारी संघ के अनुसार प्रशासन ने बिना किसी पूर्व सूचना के पुलिस बल के साथ धरना स्थल पर पहुंचकर टेंट हटवाया। संघ का कहना है कि यह कदम शांतिपूर्ण आंदोलन को कुचलने की मंशा से उठाया गया। पटवारियों का आरोप है कि वे न तो कानून तोड़ रहे थे और न ही किसी प्रकार की अव्यवस्था फैला रहे थे। इसके बावजूद बल प्रयोग जैसा व्यवहार अपनाया गया। इस घटना के बाद पटवारियों में भारी आक्रोश है। उनका कहना है कि यदि प्रशासन संवाद करता, तो स्थिति संभल सकती थी, लेकिन दमनात्मक रवैये ने आंदोलन को और तेज कर दिया है।

'संविधान के अधिकारो का हनन' का गंभीर आरोप

पटवारी संघ ने प्रशासन पर लोकतांत्रिक मूल्यों की अनदेखी का आरोप लगाया है। संघ का कहना है कि शांतिपूर्ण धरना और विरोध प्रदर्शन संविधान द्वारा प्रदत्त मौलिक अधिकार हैं। इन अधिकारों को बलपूर्वक दबाना न केवल कर्मचारियों का अपमान है, बल्कि लोकतंत्र की भावना के खिलाफ भी है। पटवारियों का कहना है कि यदि आज कर्मचारियों की आवाज दबाई जाएगी, तो कल आम नागरिकों के अधिकार भी सुरक्षित नहीं रहेंगे। यही कारण है कि आंदोलन अब केवल मांगों तक सीमित न रहकर संवैधानिक अधिकारों की रक्षा की लड़ाई बन गया है।

हड़ताल से ठप पड़ी राजस्व व्यवस्था, जनता परेशान

पटवारियों की हड़ताल का सीधा असर आम जनता पर पड़ रहा है। जिले की कोतमा, अनूपपुर, जैतहरी और पुष्पराजगढ़ तहसीलों में नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन, नक्शा तरमीम, फार्मर रजिस्ट्री और प्रमाण पत्र जैसे कार्य पूरी तरह ठप हैं। ग्रामीणों को बार-बार तहसीलों के चक्कर काटने पड़ रहे हैं। किसान योजनाओं के लाभ से वंचित हो रहे हैं और छात्रों को प्रमाण पत्र न मिलने से परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जनता का कहना है कि प्रशासन और कर्मचारियों के टकराव में उनकी समस्याएं अनसुनी हो रही हैं।

कार्रवाई और दबाव से टूटता कर्मचारियों का मनोबल

पटवारियों का आरोप है कि बेहतर प्रदर्शन करने वालों पर भी दंडात्मक कार्रवाई की जा रही है। फार्मर रजिस्ट्री जैसे कार्यों में अपेक्षा से अधिक प्रगति के बावजूद निलंबन और फटकार से यह संदेश जा रहा है कि मेहनत की कोई कीमत नहीं है। पटवारी संघ ने साफ चेतावनी दी है कि यदि 10 सूत्रीय मांगों का शीघ्र समाधान नहीं हुआ, तो सभी पटवारी सशर्त सामूहिक इस्तीफा देंगे। संघ का कहना है कि यह निर्णय मजबूरी में लिया जाएगा। साथ ही ऐलान किया गया है कि अगले चरण में कलेक्टर अनूपपुर कार्यालय का घेराव किया जाएगा। यदि आंदोलन और उग्र हुआ, तो जिले की पूरी राजस्व व्यवस्था चरमरा सकती है। यह संघर्ष अब केवल मांगों का नहीं, बल्कि सम्मान, अधिकार और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा का बन चुका है।

कर्मचारियों में भय का माहौल बन गया है, जिससे कार्यकुशलता प्रभावित हो रही है। पटवारियों का कहना है कि सम्मानजनक और सुरक्षित वातावरण के बिना काम संभव नहीं, और यही वजह है कि असंतोष लगातार गहराता जा रहा है।

आर-पार का ऐलान- सशर्त सामूहिक इस्तीफे की चेतावनी

प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना से अनूपपुर के रामरूद्र पटेल की बदली तकदीर

अनूपपुर। मध्यप्रदेश शासन द्वारा घोषित 'कृषक कल्याण वर्ष 2026' के अंतर्गत किसानों और पशुपालकों को सशक्त बनाने के निरंतर प्रयास सफल हो रहे हैं। इसी क्रम में, अनूपपुर जिले की जनपद पंचायत जैतहरी के ग्राम दुलहरा निवासी रामरूद्र पटेल आत्मनिर्भरता और आर्थिक सशक्तीकरण की एक नई मिसाल बनकर उभरे हैं। उन्होंने केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी 'प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना' का लाभ उठाकर अपनी अनुपयोगी भूमि को समृद्धि के साधन में बदल दिया है।

आधुनिक मत्स्य तालाब का निर्माण

हितग्राही रामरूद्र पटेल के पास 25 डिसमिल ऐसी भूमि थी, जो कृषि कार्य हेतु उपयुक्त नहीं थी और जिससे आय के साधन अत्यंत सीमित थे। वित्तीय वर्ष 2024-25 में मत्स्य विभाग के सहयोग से उन्हें 6 लाख 50 हजार रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्राप्त हुई। इस राशि से उन्होंने न केवल वैज्ञानिक पद्धति से तालाब का निर्माण कराया, बल्कि पंप हाउस, ऑक्सीजन मशीन और उन्नत जल प्रबंधन जैसी आधुनिक अधोसंरचनाएं भी विकसित कीं।

तकनीकी मार्गदर्शन से बढ़ी आय

मत्स्य विभाग के तकनीकी प्रशिक्षण और 'केज कल्चर' जैसी उन्नत विधियों को अपनाने के बाद पटेल ने वर्ष 2025 में दो चक्रों में मत्स्य उत्पादन किया। जिसमें प्रथम चक्र (6 माह) में 1 लाख 20 हजार रुपये तथा द्वितीय चक्र (6 माह) में 1 लाख 50 हजार रुपये का शुद्ध लाभ अर्जित किया। इस प्रकार कुल वार्षिक लाभ 2 लाख 70 हजार रुपये की शुद्ध आय प्राप्त की। अपनी सफलता से उत्साहित पटेल ने कहा है कि शासन की योजनाओं और विभाग के निरंतर मार्गदर्शन ने उनके जीवन में आर्थिक स्थिरता प्रदान की है। उन्होंने अपनी इस खुशहाली के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं जिला प्रशासन का हृदय से आभार व्यक्त किया है।

हर्षोल्लास के साथ किया गया वार्षिक प्रतिभा प्रोत्साहन दिवस का आयोजन

अनूपपुर। केन्द्रीय विद्यालय अनूपपुर में वार्षिक प्रतिभा प्रोत्साहन दिवस का आयोजन बड़े ही हर्षोल्लास के साथ किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यालय में पूरे साल आयोजित की गई विभिन्न प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग कर स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभाशाली एवं मेधावी विद्यार्थियों को पुरष्कृत कर उनकी प्रतिभा को पोषित कर उनके मनोबल को बढ़ाना एवं विद्यालय के समस्त विद्यार्थियों को विभिन्न प्रतियोगिताओं में अधिकाधिक प्रतिभाग करने हेतु प्रोत्साहित करना था। कार्यक्रम का शुभारम्भ कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं विद्यालय के प्राचार्य देवेन्द्र कुमार तिवारी द्वारा ज्ञान की अधिष्ठात्री देवी माँ शारदे के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन एवं पुष्प अर्पित कर किया गया। इस अवसर पर विद्यालय की छात्राओं द्वारा सरस्वती वंदना का मधुर गायन किया गया इसके पश्चात विद्यालय की पाठ्य सहगामी गतिविधियों पर आधारित विभिन्न प्रतियोगिताओं के परिणामानुसार पुरस्कार वितरण की प्रक्रिया को प्राचार्य तिवारी के कर-कमलों द्वारा प्रारंभ किया गया विद्यालय में सत्र 2025-26 की समय अवधि में विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गई थी जिसमें एकल गायन, हिंदी एवं अंग्रेजी आशु भाषण प्रतियोगिता, स्वच्छता विषय पर नारा लेखन व चित्रकला प्रतियोगिता, समूह नृत्य प्रतियोगिता, राखी निर्माण प्रतियोगिता, हिंदी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, अपशिष्ट से सर्वोत्तम निर्माण प्रतियोगिता, वीर गाथा विषय पर चित्रकला प्रतियोगिता, एकल वाद्य यंत्र वादन प्रतियोगिता, हिंदी काव्य पाठ प्रतियोगिता, हिंदी एवं अंग्रेजी सुलेख प्रतियोगिता, सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता आदिद्यइन प्रतियोगताओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान अर्जित करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र वितरित किए गए। पुरस्कार वितरण के समापन के पश्चात प्राचार्य द्वारा प्रेरक उद्बोधन दिया गया। अपने उद्बोधन में प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि आज इस विशेष अवसर पर मैं आप सभी को प्रतियोगिताओं में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित करना चाहता हूँ। प्रतियोगिताएँ न केवल आपकी प्रतिभा को निखारती हैं, बल्कि आत्मविश्वास, अनुशासन और परिश्रम की भावना भी विकसित कर आपके कौशल का विकास भी करती हैं। सफलता और असफलता, दोनों ही सीखने के अवसर होते हैं। पुरस्कार केवल सम्मान का प्रतीक नहीं, बल्कि आपकी मेहनत और लगन का परिणाम होते हैं। हमारा विद्यालय हमेशा प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करता है, और यह पुरस्कार वितरण समारोह आपकी उपलब्धियों का सम्मान है। मैं आप सभी से आग्रह करता हूँ कि आने वाले अवसरों में और अधिक उत्साह के साथ विद्यालय में आयोजित होने वाली प्रतियोगिताओं में भाग लेकर अपनी सहभागिता दर्ज कराए और सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने का प्रयास करें एवं उत्तरोत्तर प्रगति पथ पर अग्रसर हो। अंत में आगामी सत्रांत परीक्षाओं हेतु शुभकामनाएं देकर प्राचार्य ने अपनी वाणी को विराम दिया। प्राचार्य के उद्बोधन के पश्चात कार्यक्रम का संचालन कर रहे विद्यालय के प्राथमिक शिक्षक उत्कर्ष त्रिपाठी द्वारा विद्यार्थियों के समक्ष "कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती" कविता का काव्य पाठ किया गया एवं विद्यार्थियों ने भी कविता की पंक्तियों को अपने शिक्षक के साथ-साथ दोहराते हुए अपने उमंगशील एवं जोश से परिपूर्ण मनोबल का परिचय दिया एवं वचन लिया कि आगामी सत्र में सभी विद्यार्थी विद्यालय में आयोजित होने वाली समस्त प्रतियोगिताओं एवं सह-शैक्षिक क्रियाकलापों में प्रतिभाग कर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए अपने कौशल का विकास करेंगे।

रिश्वत से इनकार बना केंद्राध्यक्ष का अपराध

भालूमाड़ा थाने तक पहुंचा मामला

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

अनूपपुर जिले में वार्षिक परीक्षाओं की निष्पक्षता पर गंभीर मामला सामने आया है। कक्षा 5 वीं और 8 वीं की परीक्षा में नियुक्त केंद्राध्यक्ष ने रिश्वत का प्रस्ताव ठुकराया तो उन्हें धमकियों का सामना करना पड़ा है। आरोप है कि घर में घुसकर डराया गया, नकल कराने का दबाव बनाया गया और झूठे आरोपों में फंसाने की चेतावनी दी गई है। मामले की लिखित शिकायत भालूमाड़ा थाने में दर्ज कराई गई है।

दरअसल यह पूरा मामला है कि जमुना कोतमा क्षेत्र के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय लतार के केंद्राध्यक्ष पी.जे. प्रजापति ने भालूमाड़ा थाना में लिखित शिकायत देकर परीक्षा में हस्तक्षेप और धमकियों के गंभीर आरोप लगाए हैं। प्रजापति वार्षिक परीक्षा 2026 में कक्षा 5 वीं और 8 वीं के केंद्राध्यक्ष नियुक्त थे। शिकायत के अनुसार 19 फरवरी को एक छात्रा के पिता ने उनकी बेटी को जिले में प्रथम स्थान दिलाने के उद्देश्य से "जितना पैसा लगेगा" देने की पेशकश की, जिसे केंद्राध्यक्ष ने सख्ती से ठुकरा दिया है। इसके बाद 20 और 21 फरवरी को लगातार दबाव, धमकी और झूठी शिकायत की चेतावनी दी गई है। केंद्राध्यक्ष का कहना है कि वे मानसिक रूप से आहत और भयभीत हैं। उन्होंने मामले में निष्पक्ष जांच और कानूनी कार्रवाई की मांग की है। शिकायत की प्रतिलिपि शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को भी भेजी गई है।

धमकी के साथ नकल कराने का दबाव

रिश्वत का खुला प्रस्ताव, ईमानदारी पर सीधा हमला

केंद्राध्यक्ष पी.जे. प्रजापति के अनुसार 19 फरवरी को एक छात्रा के पिता उनके निवास पर पहुंचे और सीधे तौर पर परीक्षा में अनुचित लाभ दिलाने की बात कही। आरोप है कि उन्होंने बेटी को जिले में प्रथम स्थान दिलाने के लिए "जितना पैसा लगेगा" देने का प्रस्ताव रखा। यह प्रस्ताव न केवल परीक्षा नियमों का उल्लंघन था, बल्कि शिक्षा व्यवस्था की साख पर भी गंभीर सवाल खड़े करता है। केंद्राध्यक्ष ने स्पष्ट शब्दों में इस प्रस्ताव को ठुकराते हुए कहा कि परीक्षा पूरी तरह निष्पक्ष और नियमों के अनुसार कराई जाएगी। इसी इनकार के बाद विवाद की शुरुआत हुई, जिसे केंद्राध्यक्ष शिक्षा व्यवस्था पर दबाव और भ्रष्टाचार थोपने की कोशिश मान रहे हैं।

घर में घुसकर धमकी, डराने की कोशिश

शिकायत में बताया गया है कि रिश्वत से इनकार करने के अगले ही दिन 20 फरवरी की शाम करीब 7:30 बजे वही व्यक्ति दोबारा केंद्राध्यक्ष के घर पहुंचा। इस बार बातचीत का लहजा बदला हुआ था। आरोप है कि नकल कराने का झूठा आरोप लगाते हुए उच्च अधिकारियों तक शिकायत करने की धमकी दी गई। केंद्राध्यक्ष का कहना है कि यह सीधा मानसिक उत्पीड़न था और उन्हें भयभीत करने की कोशिश की गई। घर की निजता भंग कर इस तरह धमकी देना कानून व्यवस्था पर भी सवाल खड़े करता है। इस घटना के बाद से केंद्राध्यक्ष और उनका परिवार खुद को असुरक्षित महसूस कर रहा है।

परीक्षा केंद्र पहुंचकर दबाव बनाने का आरोप

मामला यहीं नहीं रुका। शिकायत के अनुसार 21 फरवरी को दोपहर लगभग 1:30 बजे संबंधित व्यक्ति परीक्षा केंद्र पर पहुंचा और फिर से दबाव बनाने की कोशिश की। आरोप है कि केंद्राध्यक्ष को डराया गया कि यदि उनकी बात नहीं मानी गई तो उनके खिलाफ शिकायत दर्ज कराई जाएगी। परीक्षा केंद्र जैसे संवेदनशील स्थान पर इस तरह का दबाव न केवल नियमों का उल्लंघन है, बल्कि परीक्षा की निष्पक्षता और सुरक्षा व्यवस्था के लिए भी खतरा है। केंद्राध्यक्ष ने इसे परीक्षा संचालन में सीधा हस्तक्षेप बताया और तत्काल कार्रवाई की जरूरत जताई।

मानसिक आघात, सुरक्षा की मांग

लगातार धमकियों और दबाव के चलते केंद्राध्यक्ष पी.जे. प्रजापति ने खुद को मानसिक रूप से आहत और भयभीत बताया है। उन्होंने अपनी शिकायत में उल्लेख किया है कि इस पूरे घटनाक्रम से उनकी प्रतिष्ठा और व्यक्तिगत सुरक्षा दोनों पर खतरा उत्पन्न हो गया है। परीक्षा जैसी जिम्मेदार ड्यूटी के दौरान इस तरह का दबाव शिक्षकों का मनोबल तोड़ता है। केंद्राध्यक्ष ने मांग की है कि आरोपियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में कोई भी परीक्षा व्यवस्था को प्रभावित करने का साहस न कर सके।

शिक्षा विभाग तक पहुंची शिकायत, जांच की मांग

केंद्राध्यक्ष ने भालूमाड़ा थाने में शिकायत दर्ज कराने के साथ ही इसकी प्रतिलिपि सहायक आयुक्त, जिला शिक्षा अधिकारी और अन्य विभागीय अधिकारियों को भी भेजी है। उनका कहना है कि यह मामला केवल व्यक्तिगत नहीं, बल्कि पूरी शिक्षा व्यवस्था की निष्पक्षता से जुड़ा है। यदि ऐसे मामलों पर सख्ती नहीं हुई तो भविष्य में नकल और भ्रष्टाचार को बढ़ावा मिलेगा। अब निगाहें पुलिस और शिक्षा विभाग की कार्रवाई पर टिकी हैं कि क्या दोषियों पर कड़ी कार्रवाई होती है या मामला फाइलों में दबकर रह जाता है।

इनका कहना है

मुझे नकल करने का दबाव बनाया जा रहा है और जब मैं नकल करने से मना किया तो मुझे जान से मारने की धमकी और झूठे मुकदमे में फंसा देने की धमकी दी जा रही है जिला प्रशासन से न्याय की मांग करता हूं।

केके प्रजापति, केंद्राध्यक्ष
शासकीय हाई सेकेंडरी स्कूल लतार

इनका कहना है

मामले की जांच चल रही है इसमें केंद्राध्यक्ष का बयान लिया गया है और कोई स्कूल के बाहर वीडियो बनाकर वायरल करने से कुछ नहीं होता है कि केंद्राध्यक्ष का कहना है कि वहां कोई नकल नहीं हो रही है जांच कर उचित कानूनी कार्यवाही की जाएगी।

विपुल शुक्ला
थाना प्रभारी भालूमाडा

कलेक्टर ने जनसुनवाई में 42 आवेदकों की सुनी समस्याएं

अनूपपुर। जिला स्तरीय जनसुनवाई मंगलवार को कलेक्ट्रेट स्थित नर्मदा सभागार में संपन्न हुई। कलेक्टर हर्षल पंचोली ने 42 आवेदनों पर जनसुनवाई करते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को निराकरण करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्रीमती अर्चना कुमारी, अपर कलेक्टर दिलीप कुमार पाण्डेय सहित विभिन्न विभागों के जिला अधिकारियों ने भी आवेदकों की समस्याएं सुनी। जनसुनवाई के दौरान तहसील अनूपपुर के ग्राम रक्शा निवासी जगदीश सिंह ने जन्म प्रमाण पत्र बनवाए जाने, तहसील अनूपपुर के ग्राम चोंड़ी निवासी श्रीमती कैलशिया केवट ने मुख्यमंत्री जन कल्याण (संबल) योजना अंतर्गत अंत्येष्ठि अनुदान अनुग्रह सहायता राशि दिलाए जाने, तहसील कोतमा के ग्राम डोंगरिया कला निवासी श्रीमती भीमसेनिया ने पति की मृत्यु होने पर संबल कार्ड के तहत अनुग्रह सहायता राशि दिलाए जाने, जैतहरी निवासी सुश्री शालिनी गुप्ता ने अनुकंपा नियुक्ति दिलाए जाने, तहसील अनूपपुर के ग्राम बरबसपुर निवासी श्रीमती शशि कोल ने वन अधिकार पट्टा दिलाए जाने के संबंध में आवेदन दिए।